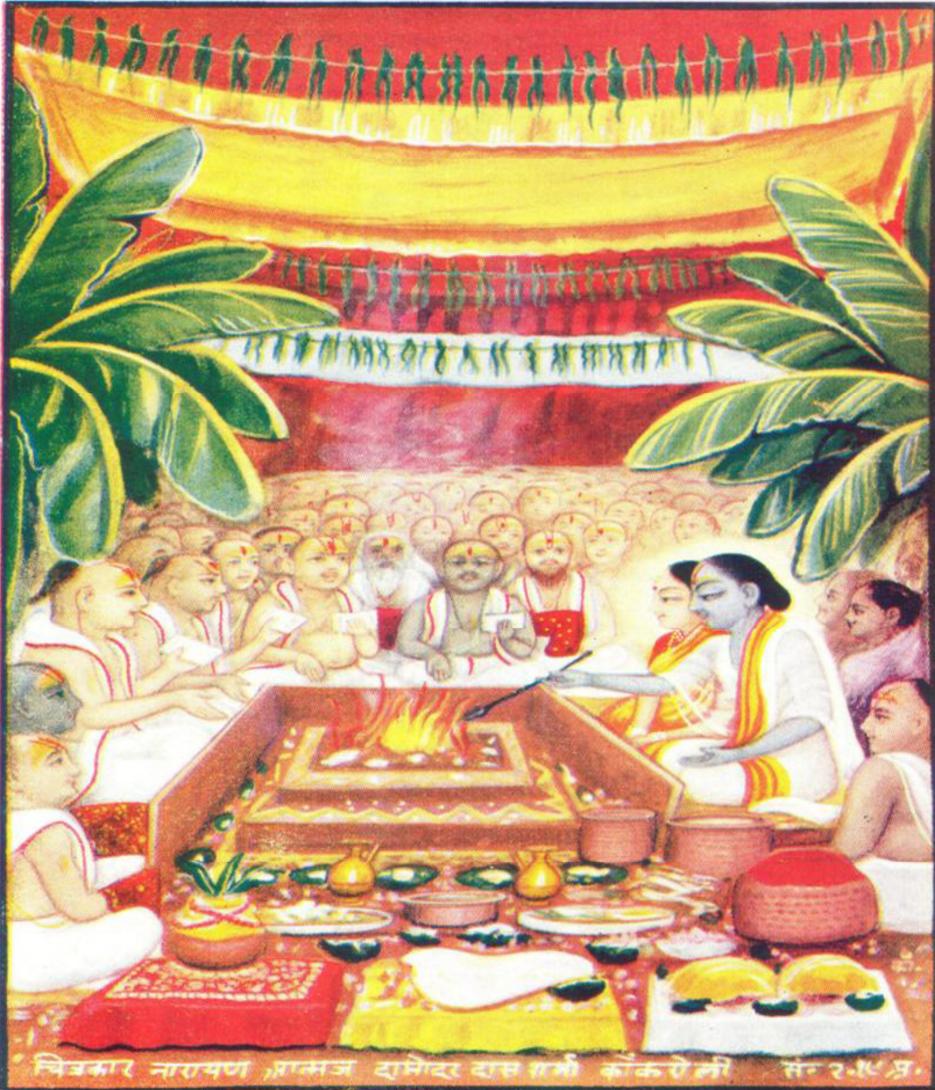




## आंतरराष्ट्रीय पुष्टिभार्गि धैष्णव परिषद्



यागादो भक्तिभार्गेकसाधनत्वोपदेशकाय नमः

**50**

### ५०-यागादौभक्तिभार्गेकसाधनत्वोपदेशकः

ऐक भात्र पुष्टिभक्ति प्राप्त थवाना भार्गमां सहायक अने तेवा यागादि साधनोना उपदेश करवावाणा श्रीआचार्यजु छे.

#### अर्थ - चरित्र - संगतिः

लक्षितनो उत्कर्ष यज्ञ याग आदिकर्मोंथी सिद्ध थाय छे, तेवुं शास्त्रोभां विधान छे. आ यागादिकर्मोंनो उपयोग स्वर्गादि अनित्य इण प्राप्ति भाटे नथी, परंतु भक्तिनी प्राप्तिना सहायक तरिके होवाना सिद्धान्तनो श्रीआचार्यजु निज ज्ञोने उपदेश करे छे. अने तेथी आपश्री स्वयं यज्ञादि कर्मो करी आ कर्मो भक्तिभार्गमां सहायक अने आवश्यक छे तेवुं समर्थाव छे, यज्ञमां आपश्रीऐ सोभयज्ञ करी भक्तिभार्गमां आवा कर्मो अनावश्यक नथी ते करी भताव्यु. आ नाम “श्री-धर्म” सूक्ष्म छे.

#### चित्र - परिचयः

प्रयागमां श्रीआचार्यजु श्रीकृष्णजु साथे सोभयज्ञ करी रहा छे.

#### नाम - संगतिः

आ प्रकारना यज्ञादि कर्मो करवा इतां श्रीआचार्यजुने अन्य कोई इणनी अपेक्षा नथी. ते ज्ञानाववा पूर्णानंद नाम कहेवामां आवे छे.